जैनविद्या संस्थान, श्री महावीरजी

पत्राचार जैनधर्म-दर्शन एवं संस्कृति डिप्लोमा पाठ्यक्रम

प्रवेश आवेदन पत्र.....

(अंग्रेजी में आवेदन पत्र भरनेवाले अध्ययनार्थी नाम कैपिटल अक्षरों में लिखें)

1. **नाम** .....
2. **शैक्षणिक योग्यता** .....
3. **पद/कार्य** .....
4. **पिता/पति का नाम** .....
5. **पत्र व्यवहार का पता** .....

   .....

   .....
6. **पिन कोड अवश्य लिखें** .....
7. **फोन नं.** : निवास .....

   कार्यालय .....

   मोबाइल .....

मैंने **पाठ्यक्रम** व **नियमावली** पढ़ लिये हैं। कृपया मुझे **पत्राचार जैनधर्म-दर्शन एवं संस्कृति डिप्लोमा पाठ्यक्रम** ..... में प्रवेश की अनुमति प्रदान करें।

आवेदक के हस्ताक्षर

नोट - शुल्क सहित आवेदन पत्र कार्यालय में पहुँचने की अन्तिम तारीख 10 मार्च रहेगी।
विलम्ब से आवेदन पत्र भेजने पर प्रवेश के लिए निदेशक की अनुमति आवश्यक होगी।

पता - निदेशक, जैनविद्या संस्थान, दिगम्बर जैन नसियाँ भट्टारकजी, सवाई रामसिंह रोड, जयपुर - 302 004

जैनविद्या संस्थान, श्री महावीरजी

पत्राचार जैनधर्म-दर्शन एवं संस्कृति डिप्लोमा पाठ्यक्रम
नियमावली

1. **प्रवेश योग्यता :**

इस पाठ्यक्रम में जैन धर्म-दर्शन एवं संस्कृति सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम परीक्षा में उत्तीर्ण अध्ययनार्थी ही प्रवेश ले सकेंगे।

2. **सत्र अवधिः**

इस पाठ्यक्रम का सत्र 1 अप्रेल से 30 जून तक होगा।

3. **आवेदन पत्र :**

(i) पत्राचार जैनधर्म-दर्शन एवं संस्कृति डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने हेतु निर्धारित आवेदन पत्र व नियमावली जैनविद्या संस्थान के कार्यालय से 20 फरवरी से प्राप्त किये जा सकते हैं।

(ii) शुल्क सहित आवेदन पत्र कार्यालय में पहुँचाने की अन्तिम तिथि 10 मार्च रहेगी। डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए **आवश्यक प्रमाण** आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।

(iii) विलम्ब से आवेदन पत्र भेजने पर प्रवेश के लिए निदेशक की अनुमति आवश्यक होगी।

4. **शुल्क :**

पंजीयन शुल्क	–	200/- रुपये
परीक्षा शुल्क	–	200/- रुपये
पाठ अज़्यास शुल्क	–	200/- रुपये
पाठ्यक्रम	–	10/- रुपये
		.....
कुल शुल्क	–	610/- रुपये
		.....

5. **ड्राज़्ट :**

डिमाण्ड बैंक ड्राज़्ट **जैनविद्या संस्थान समिति, जयपुर** के नाम भेजना होगा। शुल्क प्राप्त होने पर अध्ययनार्थियों को आवश्यक सामग्री भेज दी जायेगी।

6. **अज़्यास कार्य प्रेषण :**

(i) पत्राचार पाठ्यक्रम में सज़्मिलित होने वाले अध्ययनार्थियों को प्रत्येक माह की 1 तारीख को पाठ व अज़्यास भेजे जायेंगे।

(ii) कागज की सफेद शीट पर अध्ययनार्थियों को उत्तर लिखकर जैनविद्या संस्थान कार्यालय, जयपुर में जाँचने के लिए भेजने होंगे, जिनको जाँचकर लौटा दिया जायेगा।

(iii) हल किये गये प्रत्येक अज़्यास के मुख पृष्ठ पर पंजीयन संज़्या सहित अपना नाम लिखना आवश्यक है।

7. **परीक्षा :**

(i) **पत्राचार जैनधर्म-दर्शन एवं संस्कृति डिप्लोमा पाठ्यक्रम** की परीक्षा जून में होगी।

(ii) उत्तर-पुस्तिकाओं के **पुनर्मूल्यांकन** का प्रावधान जैनविद्या संस्थान की परीक्षा में नहीं होगा।

9. **परीक्षा केन्द्र :**

(i) **पत्राचार जैनधर्म-दर्शन एवं संस्कृति डिप्लोमा पाठ्यक्रम** के लिए परीक्षा केन्द्र सामान्यतया **श्री महावीरजी** एवं **जयपुर** होंगे।

(ii) जयपुर के अध्ययनार्थी **जयपुर केन्द्र** पर और जयपुर से बाहर के अध्ययनार्थी **श्री महावीरजी केन्द्र** पर परीक्षा देंगे। श्री महावीरजी केन्द्र पर परीक्षा देने वाले अध्ययनार्थियों के लिए आवास और भोजन की व्यवस्था जैनविद्या संस्थान की ओर से नि:शुल्क रहेगी। आने-जाने का मार्ग-व्यय अध्ययनार्थी को स्वयं वहन करना होगा।

(iii) विशेष परिस्थितियों में अध्ययनार्थियों के निवेदन पर किसी अन्य परीक्षा केन्द्र निर्धारण का अधिकार निदेशक का होगा। आवास, भोजन व्यवस्था एवं मार्ग-व्यय अध्ययनार्थी को स्वयं वहन करना होगा।

10. **पुरस्कार योजना :**

परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी* एवं प्रथम श्रेणी* में उत्तीर्ण होने वाले अध्ययनार्थियों में से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अध्ययनार्थी को जैनविद्या संस्थान की ओर से **श्रीमती मैनादेवी गोपीचन्द सोगाणी स्वर्णपदक** तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले अध्ययनार्थी को **श्रीमती कमला महेन्द्रप्रकाश काला रजत पदक** प्रदान किया जायेगा।

11. **पुनः प्रवेश :**

(i) पत्राचार जैनधर्म-दर्शन एवं संस्कृति डिप्लोमा पाठ्यक्रम में पूर्व वर्ष में पंजीकृत अध्ययनार्थी जो अपना अध्ययन किसी कारणवश पूर्ण नहीं कर सके, वे इस सत्र में प्रवेश ले सकते हैं। वे सादा कागज पर **पूर्व पंजीयन संज़्या** लिखकर अपना आवेदन पत्र भेज दें।

(ii) इस सत्र में बैठने के लिए परीक्षा शुल्क 200/- का ड्राज़्ट पुनः **जैनविद्या संस्थान समिति, जयपुर** के नाम भेजना होगा।

(iii) प्रश्न पत्र चालू वर्ष के पाठ्यक्रम के अनुसार होगा। पंजीयन संज़्या पूर्ववत रहेगी।

(iv) जिन अध्ययनार्थियों ने जैनधर्म-दर्शन एवं संस्कृति सर्टिफिकेट के पाठों का अध्ययन किया परन्तु परीक्षा नहीं दे सके अथवा जिन अध्ययनार्थियों ने परीक्षा दी किन्तु अनुत्तीर्ण रहे और अब जैनधर्म-दर्शन एवं संस्कृति डिप्लोमा के पाठों को पढ़ना चाहते हैं उन्हें **पाठ-अज़्यास शुल्क 200/- रुपये** जमा कराने होंगे। डिप्लोमा की परीक्षा वे ही अध्ययनार्थी दे सकेंगे जिन्होंने सर्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण की है।

12. **अध्ययन सहायता सज़्पर्क :**

अध्ययनार्थी जयपुर कार्यालय में पूर्व सूचना देकर सज़्पर्क कर सकेगा। सज़्पर्क का समय प्रातः 11.00 से 12.30 बजे तक रहेगा। कार्यालय का समय सामान्यतः प्रातः 10.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक का है।

पत्र व्यवहार का पता -

निदेशक
जैनविद्या संस्थान,
दिगज़्बर जैन नसियाँ भट्टारकजी
सवाई रामसिंह रोड,
जयपुर - 302 004

फोन नं. (कार्यालय) 0141-2385247
फोन नं. (निवास) 0141-2376415
मोबाइल 9413417690

---

* विशिष्ट श्रेणी 80 प्रतिशत या अधिक तथा प्रथम श्रेणी 60 प्रतिशत या अधिक